सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 14 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 303, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड हनीट्रैप में फंसे बैंककर्मी ने की आत्महत्या... » Pg02

» Pg12

बुजुर्गों को घर बैठे वृद्धावस्था पेंशन देगी योगी सरकार

कांग्रेस-आरजेडी फेल, जनसुराज-वीआईपी जीरो पर आउट

बिहार में नीतीश-मोदी की जोड़ी हिट हो गईल

एनडीए का आंकड़ा 200 के पार, रुझानों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी, हाइड्रोजन बम और वोट चोरी भी बेअसर बैकफुट पर महागठबंधन

» एनडीए की सुनामी, धूल चाट गईं तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर उम्मीदें।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी-जेडीयू के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने जबरदस्त प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। पूरे देश की निगाहें इस चुनाव के परिणाम पर टिकी हुई हैं। लोग सुबह से चैनलों पर लगातार अपडेट लेते दिखाई दिए। सत्तापक्ष 200 के आंकड़े को भी पार कर गया है। अब तक के नतीजों से साफ है कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की जोड़ी एक बार फिर हिट रही। बिहार में विपक्षी महागठबंधन चारों खाने चित हो गई। चाहे आरजेडी हो या कांग्रेस या फिर गठबंधन में शामिल वामदल सभी को करारी शिकस्त मिली है।

बीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा, जोड़ी मोदी-नीतीश जी के हिट हो गयील, बिहार के विकास फिर रिपीट हो गयील ! मतलब बिहार में मोदी-नीतीश की जोड़ी हिट गई और बिहार का विकास फिर से रिपीट हो गया है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि शुरुआत से ही साफ था कि बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। उम्मीद थी कि एनडीए 160 से ज्यादा सीटें जीतेगा, लेकिन जिस तरह बिहार के मतदाताओं ने उसे लगभग 200 सीटों तक पहुंचाया, वह उल्लेखनीय है।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने शानदार प्रदर्शन किया है। अब तक के रुझानों से साफ है कि एनडीए को स्पष्ट और शानदार बहुमत मिल रहा है। इस सफलता के पीछे न सिर्फ नीतीश कुमार की योजनाएं हैं, बल्कि बीजेपी की सधी हुई रणनीति भी अहम भूमिका निभा रही है। मोदी-नीतीश की जोड़ी ने ऐसा माहौल तैयार किया कि एनडीए की पुरानी बहार फिर लौट आई।

वहीं इस बात की ऊहापोह तेज थी कि बिहार में इस बार महागठबंधन का राहुल फैक्टर चुनावी नतीजे को प्रभावित कर सकता है। क्योंकि बीते कई महीनों से राहुल गांधी ने वोट चोरी का मुद्दा खुब उठाया है। पहले प्रेस वार्ता में कई दावे किए, फिर बिहार में खूब रैलियां की और अंत में हाइड्रोडन बम के माध्यम से केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा लेकिन आज वह फुस्स होता दिखाई दिया।

आज मत इतना प्रभावी था महागठबंध और कांग्रेस के सभी चुनावी समीकरण बेअसर होते दिखे। खासकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोप भी धूमिल होता दिखा। ताजा अपडेट के अनुसार पार्टी का प्रदर्शन लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) से भी खराब रहा है।

कांग्रेस का लोजपा और एआईएमआईएम से भी बुरा हाल

चुनाव आयोग के आंकड़े बताते है कि अभी तक की मतगणना के अनुसार कांग्रेस केवल चार सीटों पर आगे चल रही है। वहीं लोजपा (आर) 20, एआईएमआईएम और जीतन राम मांझी की पार्टी हम पांच सीटों पर अपनी बढ़त बनाए हुए है। ऐसे में ये भी कहना गलत नहीं होगा कि भाजपा और जेदयू समर्थित एनडीए गठबंधन ने एकतरफा बढ़त हासिल कर बिहार में राहुल फैक्टर पूरी तरह खत्म कर दिया। उनके साथ-साथ तेजस्वी यादव का इस बार मुख्यमंत्री बनने का सपना पर टूटता दिख रहा है।

भाजपा 91, जदयू 81, लोजपा (आर) 21 रालोमो 2 और हम ने अपनी पांच सीटों पर बेजोड़ बढ़त बना रखी है। वहीं बात अगर महागठबंधन की करें तो राजद ने 27 सीटों पर कांग्रेस चार, वामदल चार, वीआईपी ने एक सीट पर अपनी बढ़त कायम रखी है।

भाजपा चाहे तो बिना नीतीश बना सकती है सरकार

लालू के लाल का बुरा हाल

महुआ विधानसभा सीट से सियासी पारा हाई है। आज पता चल जाएगा कि परिवार से अलग होने के बाद लालू के बड़े बेटे की सियासी शुरुआत कैसी होती है। 17 राउंड की काउंटिंग के बाद तेजप्रताप करीब 35000 वोटों से पीछे है। लोजपा रामविलास के संजय कुमार सिंह यहां से पहले नंबर पर चल रहे हैं। राजद के मुकेश रोशन तीसरे नंबर पर चल रह हैं। सात राउंड की काउंटिंग के बाद तेजप्रताप यादव का बुरा हाल है। वह चौथे नंबर पर हैं। उनको सिर्फ 4900 वोट मिले हैं। पहले नंबर पर एलजेपीआर के संजय कुमार सिंह चल रहे हैं।

जेल में बंद अनंत सिंह मोकामा से जीते, वीणा देवी को 30 हजार वोटों से हराया

हाईप्रोफाइल मोकामा सीट से बड़ी खबर सामने आ रही है कि अनंत सिंह जीत गए हैं। अनंत सिंह ने वीणा देवी को 29720 वोटों से हरा दिया है। दुलारचंद यादव हत्याकांड के आरोप में जेल में बंद जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह के इस अभेद्य किले को भेद दिया है। अनंत सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, आरजेडी उम्मीदवार वीणा देवी से शुरुआत से ही आगे चल रहे थे।

हनीट्रैप में फंसे बैंककर्मी ने की आत्महत्या

ब्लैकमेलिंग से टूट गया था हौसला

» अंजान नंबरों से धमकी, गाली-गलौज और अश्लील वीडियो वायरल करने की चेतावनी

» दो दिन बाद भाई देगा तहरीर, पुलिस ने उकसावे की जांच शुरू की

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

ब्लैकमेलिंग और लगातार मिल रही धमकियों से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मौत से ठीक पहले बैंककर्मी ने इंटरनेट मीडिया पर स्टोरी लगाकर अपनी मौत के लिए खुद को जिम्मेदार बताया था।मूलरूप से महोबा निवासी युवक केशवपुरम में रहकर निजी बैंक में कार्यरत था।

कानपुर। रावतपुर में बुधवार को एक निजी बैंककर्मी ने हनीट्रैप के जाल में फंसकर बुधवार को उसने कमरे में फंदा लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। जब उसका दोस्त कमरे पर पहुंचा, तब घटना का खुलासा हुआ।दोस्त के मुताबिक, उसके मोबाइल पर कई अंजान नंबरों से फोन और मैसेज आए, जिनमें बैंककर्मी से बात कराने और पैसे देने की धमकी दी गई। मैसेज में गाली-गलौज की गई और अश्लील वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग भेजकर उसे डराने की कोशिश की गई।

आशंका है कि बैंककर्मी का मोबाइल नंबर हैक किया गया था, जिससे ब्लैकमेलरों को उसके दोस्त का नंबर मिल गया।ब्लैकमेलरों ने धमकी दी कि यदि पैसा नहीं मिला, तो बैंककर्मी का अश्लील वीडियो इंटरनेट पर फैला देंगे। मृतक के भाई ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था और अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किए जाने की बात कही थी।

उन्होंने बताया कि उन्होंने भाई को नौकरी छोड़ने की सलाह दी थी, लेकिन वह किश्तें जाने की चिंता कर रहा था, जबकि उसने न तो कोई वाहन और न ही कोई अन्य सामान फाइनेंस कराया था।

एडीसीपी पश्चिम कपिलदेव सिंह के अनुसार, स्वजन दो दिन बाद कानपुर पहुंचकर तहरीर देंगे। तहरीर मिलते ही पुलिस आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू करेगी।

एनआरआई की संपत्ति पर गिद्ध दृष्टि

» मकान में कब्जा कर 25 लाख की मांग करने पर एफआईआर दर्ज

» खुद को पूर्व सपा विधायक का रिश्तेदार बताकर धमकियां देने का आरोप

» पुलिस आयुक्त से शिकायत के बाद बेकनगंज पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। बेकनगंज में अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) विजय भाटिया के पुश्तैनी मकान पर कब्जा करने और 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस आयुक्त के आदेश के बाद बेकनगंज पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।विजय भाटिया ने बताया कि वह परिवार के साथ कई वर्षों से इंग्लैंड में रहते हैं। बेकनगंज स्थित उनका पुश्तैनी मकान उनके पिता मुंशीराम ने 1945 में खरीदा था और जीवित रहते हुए वसीयत के माध्यम से उन्हें सौंप दिया था। पिता के समय से मकान का एक हिस्सा मुन्ना नामक व्यक्ति को किराए पर दिया गया था।

विदेश में रहने के कारण मकान की देखरेख की जिम्मेदारी उन्होंने अब्दुल हई को पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए सौंप रखी है। आरोप है कि खुद को पूर्व सपा विधायक का रिश्तेदार बताने वाला मुन्ना पहले तो किराए का हिस्सा खाली कर गया, इसके बाद दबंगई दिखाते हुए सिराजुद्दीन उर्फ लाला को मकान के एक कमरे में जबरन कब्जा दिलवा दिया।जब अब्दुल हई ने इसका विरोध किया, तो मुन्ना ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने शहर लौटकर मुन्ना से बात की तो उसने कब्जा छोड़ने की कीमत 25 लाख रुपये या एक फ्लैट बताई।पीड़ित का कहना है कि बेकनगंज थाने में शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की शिकायत दर्ज कराई।बेकनगंज थाना प्रभारी मोहम्मद मतीन खान ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बाबूपुरवा अग्निकांड में राजनीतिक हलचल

बसपा प्रतिनिधिमंडल मौके पर पहुंचे

» मुख्य मंडल प्रभारी बीआर अहिरवार ने व्यापारियों से ली नुकसान की जानकारी, सरकार से उचित मुआवजे की मांग

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर।बाबूपुरवा के बाकरगंज मार्केट में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को मौके पर पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने आग से प्रभावित दुकानदारों से मुलाकात कर उनके नुकसान का जायजा लिया और उन्हें हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

मुख्य मंडल प्रभारी बीआर अहिरवार के नेतृत्व में पहुँचे प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आग में छोटे और मध्यम व्यापारियों को भारी क्षति हुई है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा और पुनर्वास के लिए तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।युवा बसपा के व्यापारी नेता रवि गुप्ता ने कहा कि जिन दुकानदारों की पूरी आजीविका जलकर राख हो गई, उन्हें तुरंत वित्तीय मदद की ज़रूरत है ताकि वे फिर से अपना व्यवसाय खड़ा कर सकें। उन्होंने आग से हुए भारी नुकसान को छोटे व्यापारियों के लिए असहनीय बताया।इस दौरान बसपा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें जिला प्रभारी राम शंकर कुरील, जिलाध्यक्ष कुलदीप कुमार एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद आमिर उर्फ मुन्ना, अध्यक्ष राम नारायण निषाद, रवि गुप्ता, राजकमल, महेश कुमार धानविक सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे। सभी ने पीड़ित दुकानदारों को ढांढस बंधाया और हर स्तर पर सहायता के लिए साथ खड़े रहने का भरोसा दिया।

चोर गिरोह का पर्दाफाश, मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से हुआ लंगड़ा

» गिरोह के दो अन्य सदस्य भी गिरफ्तार किए गए, फरार शातिरों की तलाश

कानपुर। पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर की स्वॉट, सर्विलांस और महाराजपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बीती रात मुठभेड़ के बाद शातिर चोरों के एक गिरोह का खुलासा किया। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि दो अन्य साथियों को पुलिस ने घेराबंदी कर दबोच लिया।पुलिस ने मौके से एक देशी तमंचा 315 बोर, जिंदा व खोखा कारतूस, सोने-चांदी के आभूषणों से भरी बोरी (करीब 290 ग्राम) और 1000 रुपये नकद बरामद किए।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान गुलफाम खान निवासी उन्नाव, सत्यम वर्मा निवासी हरबंश मोहाल और अमान अतीक निवासी खपरा मोहाल के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी गुलफाम खान पर पहले से ही चोरी और आर्म्स एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह हाल ही में शहर की एक सर्राफा दुकान में हुई नकबजनी की वारदात में शामिल था।घटना का खुलासा करते हुए डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया महाराजपुर पुलिस की सतर्कता से इस गैंग का भंडाफोड़ संभव हुआ है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है, जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपीसीडा की बैठक में औद्योगिक निवेश को गति देने वाले 12 प्रस्ताव पारित

नव-नियुक्त सीईओ विजय किरण आनंद की कार्यशैली से प्राधिकरण में आया सकारात्मक बदलाव

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/लखनऊ। यूपी सीडा की 49वीं बोर्ड बैठक शुक्रवार को कानपुर मुख्यालय में हुई, जिसकी अध्यक्षता अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने की। बैठक में प्रदेश के औद्योगिक विकास, आधारभूत ढाँचे को सुदृढ़ बनाने और बड़े निवेश को आकर्षित करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। कुल 12 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जो आने वाले समय में यूपी के औद्योगिक मानचित्र पर प्रभावी बदलाव लाने वाले माने जा रहे हैं।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यूपीसीडा प्रदेश में औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार स्तंभ है। बोर्ड बैठक में लिये गये निर्णय निवेश, रोजगार और औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देंगे। लक्ष्य है कि निवेशकों को विश्वस्तरीय उद्योग-पर्यावरण उपलब्ध कराया जाए ताकि यूपी की 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में मजबूती से योगदान मिल सके।

यूपीसीडा में नई ऊर्जा का संचार स्वराज श्रीवास्तव प्रांतीय अध्यक्ष

CEO विजय किरण आनंद की कार्यशैली से बदला कामकाज, कर्मचारियों में उत्साह

उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण में नव-नियुक्त CEO विजय किरण आनंद के कार्यभार संभालने के बाद प्राधिकरण के कामकाज में तेज सुधार देखने को मिल रहा है। प्रांतीय अध्यक्ष स्वराज श्रीवास्तव ने कहा कि नए ष्टश्वह्र की स्पष्ट और परिणाम-केंद्रित कार्यशैली से विभाग में सकारात्मक ऊर्जा का माहौल बना है। जिस तरह से पहले बोर्ड मीटिंग में कैशलेस इलाज के लिए सीईओ ने पहल की है इससे कर्मचारी बहुत खुश हैं। नए CEO के आने के बाद निर्णय प्रक्रिया में तेजी आई है, जबकि फाइलों की लंबित संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। औद्योगिक भूखंडों के आवंटन में पारदर्शिता बढ़ी है और शिकायत निस्तारण प्रणाली भी मजबूत हुई है। फील्ड मॉनिटरिंग के सख्त होने से निवेशकों को अब सेवाएँ अधिक समयबद्ध ढंग से मिल रही हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों का कहना है कि CEO विजय किरण आनंद की कार्यप्रणाली न सिर्फ स्पष्ट है बल्कि काम को परिणाम तक पहुंचाने वाली है। हाल ही में संपन्न UPSIDA बोर्ड बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय भी उनके कुशल प्रबंधन की झलक माने जा रहे हैं।

इधर, प्रांतीय अध्यक्ष स्वराज श्रीवास्तव ने प्रभारी कार्मिक अधिकारी सचिन तित्तल सहित अन्य अधिकारियों

से मुलाकात कर प्राधिकरण की गतिविधियों पर चर्चा की। कर्मचारियों की एक बड़ी मांग को CEO ने पहली ही बोर्ड बैठक में स्वीकृति देकर कर्मचारियों का दिल जीत लिया है। इससे प्राधिकरण में हर्ष और उत्साह की लहर है।

बैठक के प्रमुख निर्णय

»1. लीडा क्षेत्र का 30,767 हेक्टेयर मास्टर प्लान — नए औद्योगिक युग की शुरुआत

लखनऊ-उन्नाव के बीच स्थित पूर्ववर्ती LID क्षेत्र, जिसमें 85 गाँव शामिल हैं, का मास्टर प्लान 2041 के तहत औद्योगिक उपयोग 32त्न निर्धारित किया गया है। बैठक में इस क्षेत्र के विकास के लिए नई रणनीति पर विस्तार से विचार किया गया।

एक अलग विशेष कार्यबल (स्पेशल टीम) गठित की जाएगी, जो इस क्षेत्र को बड़े औद्योगिक हब के रूप में विकसित करेगी। इसे यूपी की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन माना जा रहा है।

»2. कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा

UPSIDA में तैनात कर्मचारियों को अब अन्य प्राधिकरणों की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

»3. GeM पोर्टल के माध्यम से आउटसोर्सिंग तैनाती

बोर्ड ने आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति के लिए त्नद्गरू पोर्टल आधारित चयन को मंजूरी दी।

साथ ही, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हित में नोशनल वेतनवृद्धि लागू करने पर भी सहमति बनी।

»4. औद्योगिक क्षेत्रों के लेआउट प्लान संशोधन के निर्देश

बदलती औद्योगिक जरूरतों को देखते हुए कई औद्योगिक क्षेत्रों के लेआउट प्लान पुनर्संशोधित किए जाएंगे।

»5. PSRTC के चार बस स्टेशनों की भूमि के कन्सेशन राइट्स

चार बस स्टेशनों की भूमि UPSRTC को कंसेशन राइट्स पर उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली।

»6. लखीमपुर खीरी में नए औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि क्रय

ग्राम कुंभी में नए औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि क्रय की दर बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत की गई और अनुमोदित की गई।

»7. गाजियाबाद के निवाड़ी में नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना

निजी भूमि के क्रय मूल्य और भू-खंड दरों पर भी बोर्ड ने सहमति व्यक्त की।

»8. ई-ऑक्शन प्रक्रिया में संशोधन व मेंटेनेंस चार्ज पुनर्निर्धारण

औद्योगिक, व्यवसायिक और संस्थागत भूखंडों की ई-ऑक्शन प्रक्रिया में आवश्यक संशोधनों को मंजूरी मिली।

नैनी (प्रयागराज) और गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में मेंटेनेंस शुल्क का पुनर्निर्धारण भी स्वीकृत किया गया।

»9. अमौसी औद्योगिक क्षेत्र की भूमि पुनः क्रय

उत्तर प्रदेश ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स प्रा. लि. की भूमि पुनः खरीदने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

»10. धीमी गति से विकसित औद्योगिक क्षेत्रों के मेंटेनेंस शुल्क में युक्तिसंगत वृद्धि

रखरखाव को बेहतर करने के लिए मेंटेनेंस शुल्क में सीमित और तर्कसंगत बढ़ोतरी को स्वीकृति मिली।

»11. ग्रुप हाउसिंग भूखंडों के लिए एकमुश्त भुगतान शर्तों को मंजूरी

यह निर्णय निवेशकों को तेज और सरल प्रक्रिया उपलब्ध कराने में मदद करेगा।

»12. कर्मचारियों के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम पर दिशा-निर्देश

बिल्हौर सर्किल में अब नवागत एसीपी मंजय सिंह की तैनाती

जीरो टॉलरेंस और मुस्तैदी पर जोर, जमीनी स्तर पर काम करने की बनाएंगे रणनीति

» सब-इंस्पेक्टर पद से शुरू किया था पुलिस महकमे में सफर।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कानपुर कमिश्नरेट में बिल्हौर सर्किल के नवागत सहायक पुलिस आयुक्त मंजय सिंह ने कार्यभार संभालने के बाद अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए पुलिसिंग में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है। श्री सिंह ने स्वराज इंडिया से हुई एक विशेष बातचीत में पुलिस अधिकारियों और अपराधियों दोनों के लिए कड़ा संदेश दिया।

मूलरूप से देवरिया के निवासी मंजय सिंह की शिक्षा गोरखपुर से हुई है। इस नाते सूबे के मुख्यमंत्री योगी जी की कार्यशैली से वह काफी परिचित हैं। एसीपी मंजय सिंह ने बातचीत में जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश शासन की मंशा पूरी तरह साफ है कि अपराध पर नियंत्रण हो और जनता सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कहा कि बिल्हौर क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक आक्रामक रणनीति अपनाई जाएगी।

अपनी पेशेवर पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए श्री सिंह ने कहा कि मैं स्वयं प्रमोशन से इस पद तक पहुंचा हूँ। इसलिए मैं पुलिसिंग के निचले स्तर तक की सभी बारीकियों से पूरी तरह वाकिफ हूँ। कहा कि वह थानों और चौकियों के जमीनी स्तर के कामकाज, चुनौतियों और कार्यप्रणाली को भली-भांति समझते हैं, जिससे उन्हें प्रभावी रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सर्किल के अंतर्गत आने वाले सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे केवल अपने कार्यालयों तक सीमित न रहें। उन्होंने कहा कि सभी थानेदार अपने-अपने क्षेत्रों में अत्यधिक सक्रिय रहें और अपनी जिम्मेदारियों को तत्परता से पूरा करें। इस निर्देश का उद्देश्य पुलिस की दृष्टि बढ़ाना और जनता तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करना है।

नाम को सार्थक करते हैं मंजय सिंह

सर्दी में बढ़ते अपराधों पर विशेष रणनीति

एसीपी मंजय सिंह ने आने वाली मौसमी चुनौती पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि जाड़े का मौसम शुरू हो चुका है और यह वह समय होता है जब अक्सर चोरी और नकबजनी की घटनाएं अधिक होती हैं, जो पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है। उन्होंने इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए रात्रि गश्त को सबसे महत्वपूर्ण हथियार बताते हुए कहा कि रात्रि गश्त में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि केवल सजगता और निरंतर प्रयास से ही इन आपराधिक घटनाओं को रोका जा सकता है।

एसीपी मंजय सिंह का व्यक्तित्व उनके नाम के अनुरूप ही है। वह अपने व्यक्तित्व से लोगों का मन जीत लेते हैं, उनकी कार्यशैली दूसरे लोगों से अलग रहती है। वह अपने पास आने वाले फरियादी की समस्या का समाधान निकलवाने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। सरल व्यक्तित्व का होने के कारण हर कोई उन्हें अपना मान लेता है। जिससे उनका कार्य आसान हो जाता है।

बुलडोजर चलते ही रुका पड़ा काम फिर रफ्तार पर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत जीटी रोड से प्यारेपुर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य को पिछले कई दिनों से अतिक्रमण ने रोक रखा था। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क की तय 5.50 मीटर चौड़ाई सुनिश्चित करने के लिए मई माह में राजस्व विभाग ने संयुक्त निरीक्षण कर पूरे मार्ग की निशानदेही की थी।

निरीक्षण के बाद अधिकांश ग्रामीणों ने प्रशासनिक अपील पर स्वयं अपना निर्माण हटाकर सहयोग किया। कई लोगों ने दीपावली के बाद परिसर खाली कर दिया। इसके बावजूद ग्राम मुंहपोछा में एक व्यक्ति द्वारा निर्धारित सीमांत न खाली किए जाने से सड़क निर्माण के अंतिम चरण का कार्य अटक गया था। करीब 100 मीटर सीसी पेवमेंट शेष होने के कारण कार्य लगातार रुका हुआ था। स्थिति गंभीर होती देख पीडब्ल्यूडी ने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप का अनुरोध किया। निर्देश मिलते ही उप जिलाधिकारी बिल्हौर ने कार्रवाई के आदेश जारी किए। गुरुवार को नायब तहसीलदार रंजीत सिंह यादव बुलडोज़र, राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे और चिन्हित हिस्से को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की।

बुलडोज़र ने अवैध रूप से खड़े ढाँचों को हटाया, जिसके बाद कुछ ही देर में मार्ग पूरी तरह साफ़ हो गया। सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई के दौरान क्षेत्र को अस्थायी रूप से घेराबंदी में रखा। अतिक्रमण हटते ही पीडब्ल्यूडी की टीम मशीनों के साथ पहुंची और रुका हुआ निर्माण कार्य पुनः शुरू करा दिया। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अब किसी तरह की बाधा नहीं है। कई सप्ताह से रुकी परियोजना दोबारा रफ़्तार पकड़ते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। गाँववासियों ने कहा कि बरसात में सड़क नाले जैसी स्थिति बना देती थी। चौड़ीकरण और सीसी पेवमेंट पूरा होने से किसानों व आम राहगीरों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

एसटीएफ-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नकली तारकोल फैक्ट्री ध्वस्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

» रोजाना तैयार होता था कई टैंकर मिलावटी तारकोल, छह आरोपी जेल भेजे गए।

बिल्हौर(कानपुर)। सड़क निर्माण में मिलावट के बड़े खेल का पर्दाफाश करते हुए एसटीएफ और अरौल पुलिस की संयुक्त टीम ने तारकोल की अवैध फैक्ट्री पर छापा मारा। कार्रवाई में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गिरोह रोज आठ से दस टैंकर मिलावटी तारकोल तैयार कर कई जिलों में सप्लाई करता था।

सूचना पर एसटीएफ की टीम ने अरौल थाने की पुलिस तथा आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर कबीर कोल्ड स्टोर के पीछे ईंट भट्ठे के पास बने ठिकाने को घेर लिया। मौके से 252 बोरियां मार्बल डस्ट, तारकोल से भरे दो टैंकर, मिक्सिंग मशीन, जनरेटर, ड्रम, छह मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई। बरामदगी के आधार पर अरौल पुलिस ने ही प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई आगे बढ़ाई।

पूछताछ में सामने आया कि गिरोह मथुरा रिफाइनरी से बिटुमिन लोड कर रास्ते में एक फैक्ट्री पर रुकता था, जहां उसमें मार्बल पाउडर मिलाकर सस्ता और घटिया तारकोल तैयार किया जाता था। यह माल मथुरा, कन्नौज, हरदोई, फर्रुखाबाद और उन्नाव तक सप्लाई किया जा रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी मिलावट से सड़कें मामूली बारिश में टूटने लगती हैं, जिससे सरकारी निर्माण की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। एसटीएफ और अरौल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई से मिलावटखोरों के इस नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

प्राइमरी स्कूल में चाचा नेहरू के जन्मदिन पर खेलकूद का धमाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर आज 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में प्राइमरी स्कूल बिल्हौर प्रथम में बच्चों के उत्साह के बीच भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में एक विशेष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी पूरी ऊर्जा के साथ हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाध्यापक ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने बच्चों को बाल दिवस का महत्व बताते हुए नेहरू जी के बच्चों के प्रति स्नेह और उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्राइमरी कक्षाओं के बच्चों के लिए विशेष मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। जिनमें 100 मीटर की दौड़, फ्रॉग रेस (मेंढक दौड़), केला लपक आदि का आयोजन किया गया। कक्षा एक से दौड़ में बालक वर्ग में सुमित और बालिका वर्ग में गायत्री ने बाजी मारी। कक्षा दो से बालक वर्ग में राज और बालिका वर्ग में शीतल अव्वल रहे। कक्षा तीन से बालिका वर्ग में नाइमा ने बाजी मारी। कक्षा चार से बालक वर्ग में कार्तिक पहले स्थान पर रहे। कक्षा पांच में बालक वर्ग से सूर्या और बालिका वर्ग से सुनैना ने बाजी मारी। मेढ़क दौड़ में सुनैना और सूर्या अव्वल रहे। वहीं ड्राइंग कंपटीशन में काव्या, आयुष, हसीब और प्रिया ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

सभी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने खूब जोश दिखाया और खेल भावना का परिचय दिया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रधानाध्यापक अवनीश कुमार द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों के चेहरों पर जीत की खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था।

प्रधानाध्यापक ने समापन पर कहा कि खेलकूद बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है और ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास और टीम वर्क की भावना को मजबूत करते हैं। अंत में, सभी बच्चों को मिठाई और उपहार वितरित किए गए, जिससे उनका बाल दिवस और भी यादगार बन गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से शिक्षिकाएं दीपा दीक्षित और किरन राठौर उपस्थित रहीं।

सम्पादकीय

मगर घरेलू बजट पर अभी भी दबाव

सरकारी आंकड़े हमेशा सार्वजनिक विमर्श में रहते हैं। राहत और तरक्की के दावे विभिन्न सरकारों के दौर में अकसर सामने आते हैं। टकसाली सत्य यही है कि राहत व तरक्की का जमीनी प्रभाव भी नजर आना चाहिए। मसलन, जिस जनहित की बात की जा रही है, उसका अहसास भी आमजन को होना चाहिए। प्रथम दृष्टया यह राहतकारी माना जाना चाहिए कि देश में खुदरा महंगाई की दर में गिरावट दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अक्तूबर में देश की मुद्रास्फीति की दर घटकर 0.25 रह गई है। यह स्थिति साल 2013 के बाद से सबसे कम बताई जा रही है। जाहिर है सरकार ने इसे अपनी बड़ी उपलब्धि माना है। सरकार का दावा है कि मुद्रास्फीति में यह बड़ी गिरावट कीमतों पर मजबूत नियंत्रण और कुशल वित्तीय प्रबंधन को ही दर्शाती है। लेकिन वहीं दूसरी ओर आम परिवारों के लिये इस राहत का अहसास करना इतना भी आसान नहीं है। दरअसल, मुद्रास्फीति में इस गिरावट में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कम कीमतों की भूमिका देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर हाल ही में की गई जीएसटी दरों में कटौती का प्रभाव भी बताया जा रहा है। जिसके चलते उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। वहीं दूसरी ओर मुद्रास्फीति में यह तीव्र गिरावट पिछले साल की ऊंची कीमतों के आधार प्रभाव को भी दर्शाती है, जो शायद लंबे समय तक न रहे। प्रथम दृष्टया भले ही यह प्रभावशाली लगे, लेकिन कई लोग अभी भी उच्च घरेलू खर्चों का दबाव महसूस कर रहे हैं। दूध, दालों और सब्जियों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अभी भी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। जिससे लोगों का पारिवारिक बजट प्रभावित हो रहा है। इसलिए, जहां समग्र मुद्रास्फीति दर में गिरावट आई है, वहीं आम लोगों के लिये व्यावहारिक जीवन यापन की लागत में उसी तरह की गिरावट महसूस नहीं की जा रही है। वैसे देखा जाए तो भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई के लिये यह स्थिति राहत और चुनौती दोनों ही लेकर आ रही है। दरअसल, ध्यान देने योग्य बात यह है कि मुख्य मुद्रास्फीति, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, ऊंची बनी हुई है।

जो यह भी दर्शाती है कि मूल्य दबाव पूरी तरह से कम नहीं हुआ है। ऐसे में फुटकर मुद्रास्फीति इतनी कम होने के कारण उद्योग जगत की तरफ से दलील दी जा सकती है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर की अपनी बैठक में उधार लेने और खर्च को प्रोत्साहित करने के लिये बैंक ब्याज दरों में कटौती पर विचार करे। लेकिन केंद्रीय बैंक को इस दिशा में सावधान भी रहना होगा। यदि केंद्रीय बैंक इस दिशा में कोई कदम उठाता है तो मुद्रास्फीति फिर से बढ़ भी सकती है। खासकर, अगर वैश्विक तेल की कीमतों में कोई अप्रत्याशित उछाल आ जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में रुपया कुछ कमजोर होता है। वैसे देखा जाए तो इस दौरान, मुद्रास्फीति में गिरावट का बेहतर ढंग से उपयोग मांग बढ़ाने, आय बढ़ाने और खाद्य कीमतों को स्थिर बनाने में भी किया जा सकता है।

। लेकिन इसकी शर्त यही है कि लापरवाही से सरकारी खर्च न बढ़ाया जाए या कोई खराब योजना का क्रियान्वयन न हो। ऐसे में आंकड़े तो दिखा सकते हैं कि कीमतें नियंत्रण में हैं, लेकिन लोगों के अनुभव कुछ और ही कहानी बयां कर सकते हैं। देश में सच्ची प्रगति तभी मानी जा सकती है, जब राहत हर घर तक पहुंचेगी। लेकिन जरूरत इस बात की है कि राहत सिर्फ सरकारी आकंड़ों में ही नजर न आए। यह भी हकीकत है कि कीमतों का संतुलन मांग व आपूर्ति के संतुलन पर निर्भर करता है। जिसकी ओर भी सत्ताधीशों को ध्यान देने की जरूरत होती है। निस्संदेह, ऐसे में खुदरा महंगाई में गिरावट सुखद ही है, लेकिन जरूरत इस बात की भी कि यह राहत आम आदमी को भी महसूस होनी चाहिए।

चुनावी 'पर्यटन' पर लगाम लगाने का समय

निखिल मिश्रा

देश के जनप्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक, आपको केवल वहीं बतौर मतदाता पंजीकरण का अधिकार है जहां के आप 'सामान्य रूप से निवासी' हैं व वहीं रहने का इरादा रखते हैं। यह मूल्यांकन तथ्य आधारित है। नियमानुसार, यदि कोई व्यक्ति आजीविका...देश के जनप्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक, आपको केवल वहीं बतौर मतदाता पंजीकरण का अधिकार है जहां के आप 'सामान्य रूप से निवासी' हैं व वहीं रहने का इरादा रखते हैं। यह मूल्यांकन तथ्य आधारित है। नियमानुसार, यदि कोई व्यक्ति आजीविका के लिए अस्थाई तौर पर स्थानांतरित हो तो उसका वोट सूची से नहीं हटना चाहिये।

आरोप सामने आए हैं कि दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों से बिहार में हज़ारों मतदाता पंजीकरण कराने और वोट डालने आए। इसका व्यापक रूप से मशहूर हुआ उदाहरण दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रोफ़ेसर का है, जिन्होंने कथित तौर पर दिल्ली की मतदाता सूची से अपना नाम हटवाया और बिहार में मतदान करने के लिए वहां अपना नाम दर्ज करा लिया। अगर आरोप सही हैं, तो यह रिवायत गैरकानूनी है। भारत का चुनावी कानून इस बारे में स्पष्ट व सरल रेखा खींचता है - आप केवल वहीं पंजीकरण करा सकते हैं जहां आप 'सामान्य रूप से निवासी' हैं। घर का मालिक होना, अपने पैतृक गांव की यादें ताज़ा करना या चुनाव से पहले कुछ समय वहां रुकना, आपकी योग्यता नहीं बनता। सामान्य निवास का मतलब है, आप वास्तव में कहां रहते हैं। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 19 के तहत, कोई व्यक्ति केवल उसी निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन कराने का हकदार है जहां वह 'सामान्य रूप से निवासी' है। धारा 17 और 18 दो गैर-समझौताकारी शर्तें जोड़ती हैं - आप एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत नहीं हो सकते, और आप एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार पंजीकृत नहीं हो सकते। धारा 20 स्पष्ट करती है कि 'सामान्यतः निवासी' का क्या अर्थ है और, महत्वपूर्ण यह, कि स्पष्ट करती है कि केवल संपत्ति का स्वामित्व होने पर सामान्य निवास का दावा नहीं बन जाता। सामान्य निवास एक तथ्य-आधारित, निरंतर रहने का साक्षात परीक्षण है - जहां आप आदतन रहते हैं और रहने का इरादा रखते हैं; अस्थायी अनुपस्थिति इसे विराम नहीं देती। अंत में, धारा 31 वोटर सूची से नाम हटाने के संबंध में झूठे विवरण (मसलन, नया वोटर पंजीकरण दाखिल करते समय मौजूदा नामांकन छिपाना) को आपराधिक जुर्म बनाती है, जिसके तहत एक वर्ष तक कारावास, या जुर्माना, या दोनों दंड का प्रावधान है। । ; आप इसे इसलिए नहीं खोते कि आप कुछ हफ़्तों के लिए बाहर थे, और न ही इसलिए पा सकते हैं कि आप मतदान से ऐन पहले पहुंचे थे। भारत के चुनाव आयोग ने हमेशा से 'सामान्य रूप से निवासी' की व्याख्या छह महीने अवधि को आधार बनाकर की। यह निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिचालन प्रारूप में दिखाई देता है, जब वे नाम हटाने से पहले कारण बताओ नोटिस जारी करते हैं।ईआरओ संहिता पुस्तक में ऐसे मामलों के लिए बाकायदा एक मॉडल नोटिस शामिल है, जब कोई व्यक्ति स्थानांतरित हुआ प्रतीत होता हो- 'चूंकि, अधोहस्ताक्षरी को सूचित किया गया है कि आप पिछले छह माह से अधिक से वोटर सूची में दिए गए अपने सामान्य निवास स्थान से अनुपस्थित पाए गए हैं। इसलिए, माना जाता है कि आप निर्वाचन क्षेत्र में उपर्युक्त पते पर सामान्य रूप से निवासी नहीं रहे'। यदि मतदाता बसों से लाए गये, कमजोर दावों पर वोटर लिस्ट में शामिल कर लिए और भविष्य में फिर अपनी वोट दिल्ली या हरियाणा में स्थानांतरित करने का इरादा रखते हैं, तो यह प्रवास नहीं; गलत प्रतिनिधित्व है।

सेल्फ़ी ऑफ 'देखो मेरी खाने की थाली साफ़

व्यर्थ न जाए नाली में

ज्वाला सिंह दास

जींद के अश्वनी 'जिज्ञासु'ने अन्न की बर्बादी रोकने की एक अनूठी मुहिम बच्चों के बीच शुरू की है। उनकी संस्था बच्चों को संस्कार दे रही है कि वे अपनी प्लेट में उतना ही भोजन लें, जितना खा सकते हैं। उनके लिए प्रेरक नारा है 'उतना लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।' जब देश में करोड़ों लोग कुपोषण व भूख के संकट से जूझते हैं, तो विडंबना यह है कि देश में हर साल 92,000 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन बर्बाद हो जाता है, जिसकी मात्रा 7.8 करोड़ टन से ज्यादा है। भोजन की यह बर्बादी मुख्य रूप से घरों व सार्वजनिक समारोहों में होती है। वहीं अन्य कारक गलत ढंग से भंडारण, कोल्ड चेन सिस्टम व परिवहन की कमी भी हैं। वर्ष 2022 के आंकड़े के अनुसार देश में हर साल प्रति व्यक्ति 55 किलो खाना बर्बाद हुआ।

एक गणित के अनुसार वर्ष 2022 में जो 92 हजार करोड़ रुपये का अनाज बर्बाद हुआ, उसकी कीमत में सौ करोड़ लागत वाली 920 वंदे भारत ट्रेन तैयार हो सकती थी। संयुक्त राष्ट्र की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट-2021 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में सबसे ज्यादा खाने की बर्बादी घरों में होती है। यूं तो हम शादी व अन्य सार्वजनिक समारोहों में लोगों को प्लेट में भर-भर कर भोजन लेने और बचे खाने को कचरे में डालते देखते हैं। लेकिन हम निष्क्रिय रहते हैं। लेकिन इससे व्यथित, हरियाणा के जींद में एक शख्स ने अन्न का सम्मान करने की एक अनूठी मुहिम बच्चों के बीच स्कूलों से शुरू की है। 'वन अर्थ, वन

फैमिली' संस्था बच्चों को संस्कार दे रही है कि वे उतना ही भोजन लें, जितना खा सकते हैं, जिसके सूत्रधार हैं संस्था के अश्वनी 'जिज्ञासु'। बच्चों के लिए उनका प्रेरक नारा है 'उतना लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।' अश्वनी इस नारे को लेकर जन-जागरण अभियान में जुटे हैं। वे जानते हैं कि कल के राष्ट्र निर्माता बच्चों को पहले संस्कार दिए जाने चाहिए। हो सकता है कि बड़ों को समझाने में, उनके ईगो को ठेस पहुंचे। अतः उन्होंने इस मुहिम को स्कूल-कॉलेजों से शुरू किया है। वे शादी-पार्टी, जागरण व विशेष उत्सवों पर बच्चों को संकल्प कराते हैं कि 'मैं अन्न का अपमान नहीं करता।''जिज्ञासु' कहते हैं कि एक शादी समारोह में यदि एक हजार लोगों का खाना बनता है तो कम-से-कम डेढ़ से दो सौ लोगों का खाना बर्बाद होता है। ये अन्न का अपमान है। हम नहीं सोचते कि इस अन्न को पैदा करने में किसान ने कितना खून-पसीना एक किया है। जिस देश में करोड़ों लोग भूखे सोते हों, वहां इतने भोजन की बर्बादी अपराध जैसा है। एक भूखे को ही रोटी की कीमत का अहसास होता है। समाज में जागरूकता के लिए कई अभियानों से जुड़े अश्वनी ने इस मुहिम को सिरे चढ़ाने के लिए 'वन अर्थ, वन फैमिली' नामक ट्रस्ट बनाया है। जीवनपर्यंत अविवाहित रहकर समाज में बदलाव की मुहिम में जुटे अश्वनी इससे पहले गरीबों को भोजन देने के 'रोटी बैंक' 'पहली रोटी गाय माता की'ज जैसे अभियानों से जुड़े रहे हैं। 'पहली रोटी गाय माता की' अभियान के तहत वे स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाते रहे हैं। हर रोज जो हजारों रोटियां बच्चे उत्साह से जुटाते रहे हैं, उन्हें गोशालाओं में भेज देते। वे मानते हैं कि दूसरों के दुख को अपना समझना ही परमात्मा को अनुभव करने की अनुभूति है। अभियान का मकसद यह भी रहा है कि बच्चों में देने के भाव का विकास हो सके। मुहिम में 'रोटी बैंक' तहत सेवा कार्य जींद, पानीपत, टोहाना व चंडीगढ़ के स्कूलों में लंबे समय तक चला। कालांतर 'विचार मंच' के तहत यह एक मुहिम बन गई। संस्था चंडीगढ़ व हरियाणा के अन्य शहरों में शादी या अन्य उत्सव के बाद बचे खाने को एकत्र कर उसे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाती रही है। समारोह में बचे व्यंजन जब जरूरतमंद लोगों तक पहुंचते तो उनके लिये यह उत्सव का हिस्सा बनने जैसा होता। चेहरों पर सुकून के भाव उभरते।

बाकरगंज अग्निकांड: नुकसान का आंकड़ा बढ़ा, व्यापारी गहरे सदमे में

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। बुधवार तड़के कानपुर के बाकरगंज बाजार में भयानक आग लग गई, जिसकी लपटें और धुएं का गुबार दो किलोमीटर दूर तक नजर आया। करीब 70 दुकानें जलकर राख हो गईं। हादसे के दौरान बाजार खाली था, जिसके चलते जनहानि नहीं हुई, लेकिन व्यापारियों को 3.5 से 4 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ा। आग लगने की सूचना सुबह 5:15 बजे मिनी कंट्रोल रूम फजलगंज को मिली। रास्ते संकरे होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बाजार के अंदर नहीं जा सकीं, जिसके चलते उन्हें मुख्य सड़क पर खड़ा करके करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक जांच में शार्ट सर्किट को आग की वजह बताया जा रहा है।

20 साल में 8वीं बार अग्निकांड, व्यापारी बोले टीनशेड बाजार बना दुश्मन

फायर बिग्रेड ने 17 राउंड पानी भरकर बुझाई आगसीएफओ दीपक शर्मा के अनुसार किदवई नगर, जाजमऊ, कर्नलगंज, मीरपुर, लाटूश रोड और अन्य स्टेशनों से कुल 10 फायर टेंडर मौके पर पहुंचे। पानी खत्म होने पर 17 राउंड में साउथ एक्स मॉल से पानी भरकर आग बुझाने का अभियान जारी रखा गया। बाजार की तंग गलियों, पुराने ढांचों और लगातार भड़कती आग ने राहत कार्य को चुनौतीपूर्ण बना दिया। फायर ब्रिगेड की टीमों ने आसपास की दुकानों को सुरक्षित करने और आग के फैलाव को रोकने के लिए लगातार मेहनत की।बाकरगंज कपड़ा कमेटी के अध्यक्ष मो. अमीन उर्फ़ मुन्ना ने बताया कि 100 साल पुरानी इस बाजार में पिछले 20 वर्षों में 8 बार आग लग चुकी है। 2012 में इसी जगह हुए भीषण अग्निकांड में 200 से ज्यादा दुकानें जल गई थीं। दुकानदारों का आरोप है कि टीनशेड और टट्टर से बने अस्थायी ढांचे बार-बार अग्निकांड को दावत देते हैं, लेकिन न तो बाजार मालिक जुनैद और न ही प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम उठाया।

इनकी दुकानों में आग लगी

डेविड केसरीवानी, विमल केसरीवानी, सीताराम केसरीवानी, सदाशिव, अमन राठौर, सुरेश साहू, सुमित, कल्लू साहू, अनूप साहू, दीपक साहू, आनंद राठौर, अजय साहू, विजय साहू, राजकुमार जायसवाल, अमन अग्रहरि, सुशील गुप्ता, दीप गुप्ता, ओम प्रकाश साहू, अमन केसरीवानी, आकाश केसरीवानी, प्रेमनाथ साहू, सरोज साहू, रियाज अहमद, संजय साहू, कलीम की पूरी दुकानें खाक हो गईं। जबकि जूता-चप्पल कारोबारियों नदीम अहमद, मुबारक अहमद, इमरान अहमद, मो. असलम, मो. रियान, मो. रिजवान, खुर्शीद अनवर, हाजी इकराम, मो. आफताब, मो. अशफाक, मोहित, आरिफ, मुन्ना, हबीबुल्लाह, जुहैब अख्तर, महमूद अख्तर, मुजिर्बुरहमान, बहरुद्दुर रहमान, तिलकधर मिश्रा, मो. फरदीन, एहतेशाम अंसारी, इम्तियाज, नौशाद, मो. नफीस, मो. रवीश, नूर आलम, तनवीर अहमद, अरविंद, नौशाद, महेश चंद्र गुप्ता, जावेद आलम, आसिफ, मो. अनवर, मो. सैफ, हाजी रसीद, मो. नफीस, रियाज अहमद, राजा जी, मो. अरमान, दानिश, सुरेश कुमार। व्यापारियों ने मांग की है कि इस ऐतिहासिक बाजार को पक्का बनाया जाए, वरना हर कुछ वर्षों में ऐसे हादसे दोहराते रहेंगे।

कानपुर नगर निगम में बिहार चुनाव जीत की धूम, कानपुर में जश्न

» महापौर प्रमिला पांडेय ने ढोल की थाप पर मनाया जश्न

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की ऐतिहासिक जीत पर शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय, मोतीझील में जोरदार उत्सव मनाया गया। महापौर ने पार्टी की इस बड़ी जीत पर उपस्थित सभी लोगों को बधाई दी। मौके पर मिष्ठान वितरण किया गया और जश्न में पटाखे भी फोड़े गए।

महापौर ने कहा कि यह सत्य की जीत है। बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर विश्वास जताते हुए भारी मतों से समर्थन दिया है, जिसके परिणामस्वरूप भाजपा

गठबंधन को अपेक्षा से कहीं अधिक सीटें मिली हैं। जीत की खुशी में महापौर ने स्वयं ढोल की थाप पर नृत्य कर सभी का उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम में पार्षद नवीन पंडित, पवन पांडेय, महेंद्र पांडेय, आकर्ष बाजपेयी, अखिलेश वाजपेयी, राम नारायण, सुधीर यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

महापौर ने बताया कि बिहार चुनाव में उन्हें गोविंदगंज, पूर्वी चंपारण विधानसभा क्षेत्र में प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जहां भाजपा गठबंधन की सहयोगी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के उम्मीदवार राजू तिवारी ने लगभग 23 हजार मतों से शानदार विजय हासिल की।

नगर निगम मुख्यालय में देर शाम तक जीत का जश्न उत्साह के साथ जारी रहा।

बिहार में सीएम योगी की रैलियों का दिखा बड़ा असर

अनूप अवस्थी

31 रैलियां, 1 रोड शो, 10 दिन में सीएम योगी ने किया धुआंधार प्रचार.

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।बिहार विधानसभा चुनाव में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चुनावी अभियान एनडीए के लिए काफी प्रभावी साबित होता दिख रहा है। जिन सीटों पर योगी आदित्यनाथ ने प्रचार किया, उनमें से अधिकतर पर NDA उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, सीएम योगी ने 10 दिनों में 31 रैलियां और एक रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, जदयू, लोजपा (रा), हम और राष्ट्रीय लोकमोर्चा के कुल 43 प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगे। लगभग 31 सीटों पर उन्होंने विशेष रूप से प्रचार किया, जहां 26 सीटों पर NDA आगे बताई जा रही है। वोटिंग जारी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 अक्टूबर से बिहार चुनाव प्रचार आगाज किया था। इस दौरान वह विभिन्न चरणों में हष्ट के सबसे ज्यादा मांग वाले स्टार प्रचारक के रूप में सामने आए। मुख्यमंत्रियों में वह सबसे सक्रिय प्रचारक रहे और बिहार में उनकी रैलियों को भारी जनसमर्थन मिला।

योगी का बिहार में जोरदार स्वागत

बिहार चुनावी कार्यक्रमों में योगी आदित्यनाथ को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। बिहार के कई इलाकों में लोग छतों, दीवारों, पेड़ों, यहां तक कि बुलडोजर पर चढ़कर उनका स्वागत करते दिखे थे। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे बिहारवासियों को सबसे अधिक आकर्षित करने वाले स्टार प्रचारक साबित हुए।

यूपी मॉडल बिहार में छाया

रैलियों में सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, अपराध नियंत्रण और सुशासन के मॉडल को प्रमुखता से रखा। उन्होंने जंगलराज, अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेसङ्कराजद गठबंधन को घेरा और हष्ट शासन को स्थिर व विकासोन्मुख बताते हुए समर्थन मांगा।

एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में एक भव्य रोड शो भी किया

सीएम योगी ने दरभंगा में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में एक भव्य रोड शो भी किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कुल मिलाकर 10 दिनों के अभियान में 30 रैलियां व 1 रोड शो करते हुए उन्होंने 43 सीटों पर हष्ट के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास किया।

श्रावस्ती में विभत्स घटना

पूरे परिवार के पाँच लोग मृत, इलाके में सनसनी

» मौत की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

» परिवार में पहले होता था विवाद, पर अब सब था सामान्य

मृतकों की पहचान

सिरोज अली (35) पुत्र शमशूल हक
शाहनाज (30) पत्नी सिरोज अली
तबस्सुम (06) पुत्री
गुलनाज (04) पुत्री
मोइन (02) पुत्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो, श्रावस्ती।

यूपी के श्रावस्ती जिले के इकौना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। ग्राम पंचायत कैलाशपुर के मजरा लियाकतपुरवा में एक ही परिवार के पाँच सदस्यों के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों में दंपती और उनके तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और लोग घरों से बाहर निकल आए।मृतक सिरोज अली (35) की मां के अनुसार सुबह रोज की तरह वह अपने बेटे के घर पहुंचीं, लेकिन काफी देर तक दरवाजा न खुलने पर उन्हें चिंता हुई।

कई बार आवाज लगाने के बावजूद कोई जवाब न मिलने पर छोटी बहू और बेटी राबिया को बुलाया गया। राबिया ने खिड़की से झांककर देखा तो भीतर का दृश्य देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई—दंपती और उनके तीनों बच्चे बिस्तर पर मृत पड़े थे।परिजनों का कहना है कि पहले पति-पत्नी के बीच कभी-कभार कहा-सुनी होती थी, लेकिन पिछले कुछ समय से सब ठीक चल रहा था। ऐसे में पांच लोगों की एकसाथ मौत ने पूरे मामले को रहस्यमय बना दिया है।

पुलिस कई पहलुओं पर कर रही जांच

घटना की खबर मिलते ही थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय और सीओ भारत पासवान टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने घर के भीतर से कुछ महत्वपूर्ण सुराग जुटाए हैं और हर एंगल पर मामले की जांच की जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल है—आखिर पूरी परिवार की मौत कैसे हुई? लोगों में दहशत और डर दोनों है।पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस दर्दनाक घटना की असली वजह सामने आ सकेगी। स्वराज इंडिया इस मामले की हर अपडेट अपने पाठकों तक पहुंचाता रहेगा।

उमाशंकर मीरादेवी इंटर कॉलेज में बाल दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता

विजेताओं को किया गया सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात। उमाशंकर मीरा देवी इंटर कॉलेज तिगांई रूरा में बाल दिवस के उपलक्ष्य में विविध खेलकूद प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। पूरे उत्साह के साथ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य रामजी यादव ने विजेता तथा उप-विजेता टीमों को शील्ड और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।बालिका वर्ग में कक्षा 10 की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता टीम का खिताब अपने नाम किया। इस वर्ग में मैन ऑफ द मैच अंशिका रहीं।वहीं बालक वर्ग में शानदार खेल दिखाते हुए यस ने मैन ऑफ द मैच का खिताब जीता।कार्यक्रम में शिक्षक मोहम्मद अनीस, अवधेश शर्मा, नंदकिशोर, विनोद तिवारी, कपिल पांडे, पूनम मिश्रा, अंकिता, नेहा और शशिकांत दुबे उपस्थित रहे।

त्वरित कार्रवाई

आनंदेश्वर कोल्ड स्टोरेज अग्निकांड

डीएम ने दिए मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश

भीषण अग्निकांड में एक की कर्मचारी की मौत, एक घायल हो गया है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बारा टोल के पास आनंदेश्वर कोल्ड स्टोरेज में 10/11 नवंबर की देर रात लगी भीषण आग में एक कर्मचारी की दर्दनाक मौत और एक युवक के गंभीर रूप से घायल होने के बाद जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। घटना के कारणों और कोल्ड स्टोरेज में सुरक्षा मानकों की स्थिति को लेकर जिलाधिकारी कपिल सिंह ने मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट अकबरपुर को जांच अधिकारी नामित करते हुए एक बहु-विभागीय समिति का गठन किया है। समिति में स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, अग्निशमन, बिजली वितरण खंड, लोक निर्माण विभाग और श्रम विभाग के अधिकारी शामिल किए गए हैं। जिलाधिकारी ने समिति को निर्देश दिया है कि वह सभी तथ्यों और साक्ष्यों के साथ अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट 15 दिनों के अंदर उपलब्ध कराए।

» लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है

मजिस्ट्रेटी जांच के प्रमुख बिंदु

आग लगने की वास्तविक वजह
मौत और घायल होने की परिस्थितियां
कोल्ड स्टोरेज में औद्योगिक सुरक्षा मानकों का पालन हुआ या नहीं

स्वराज इंडिया
कानपुर देहात
बारा कोल्ड स्टोर अग्निकांड में जलकर नष्ट हो गए कई सवाल !

अचानक हुए इस हादसे ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग और कर्मचारी परिवार न्याय की उम्मीद में प्रशासनिक कार्रवाई पर निगाहें टिकाए हुए हैं।

परचंदा बाबा धाम के मेले में उमड़ा जन सैलाब

» सेंगुर नदी के किनारे प्राचीन परचंदा बाबा का है धाम

» मेले में महिलाओं ने खरीदा घरेलू जरूरत का सामान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के जगदीशपुर गांव के निकट सेंगुर नदी के किनारे परचंदा बाबा धाम आश्रम परिसर में आयोजित मेले के दूसरे दिन गुरुवार को भीड़ उमड़ी।श्रद्धालुओं ने पहले सेंगुर नदी में स्नान किया।तत्पश्चात पूजा अर्चना की और झंडे चढ़ाए।बताते चले कि सेंगुर नदी के किनारे परचंदा बाबा धाम मंदिर में शिवलिंग स्थापित है,जहां प्रति वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के आठवें दिन मेला लगता है।मेले में आसपास के गांवों के अलावा सीमावर्ती जिलों से श्रद्धालु अपनी मन्नतें पूरी होने के बाद कांवर,झंडे और प्रसाद चढ़ाने के लिए आते हैं।

गुरुवार को मेले के दूसरे दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु मेले में पहुंचे।उन्होंने पहले सेंगुर नदी में स्नान किया फिर पूजन अर्चन के पश्चात प्रसाद चढ़ाया।मेले में महिलाओं, पुरुषों,युवतियों,बच्चों ने जमकर खरीददारी की।महिलाओं ने गृहस्थी से जुड़ी खरीददारी की।दूसरी ओर सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर युवतियों की भीड़ दिखाई दी।

बच्चों ने झूले व खाने पीने की वस्तुओं का लुप्त उठाया।

इस अवसर पर जालौन गरौठा लोकसभा से सांसद नारायणदास अहिरवार,जिलाध्यक्ष बबलू राजा,प्रदेश सचिव बनारसी बाबू,उपाध्यक्ष राम अवतार,नरेंद्र पाल सिंह मनु,अध्यक्ष महावीर धीरज,उपाध्यक्ष संजय दिवाकर,राहुल चक्रवर्ती,अशोक कुमार यादव,रंजीत पासवान,मानवेंद सिंह,धर्मेंद्र प्रधान,अखिलेश कटियार,ग्राम प्रधान दीपेंद्र यादव,ब्लॉक सचिव धीरेंद्र सोनकर बीरेंद्र शिक्षक,इत्यादि ने मंदिर दर्शन कर पूजन अर्चन किया।मेले की सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।भोगनीपुर समेत कई थानों की फोर्स का चप्पे चप्पे पर कड़ा पहरा रहा।पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद दिखे।संतों ने प्रवचनों के दौरान उपदेश दिए।सुबह के समय योग शिविर का आयोजन और मंदिर में श्रृंगार किया गया।पंकज प्रेमी,महावीर सिंह,नरेश सिंह इत्यादि की देखरेख में मेला सम्पन्न हुआ।

साइबर अपराधों जैसे खतरों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

» एसपी ने की अपराध समीक्षा और 'ऑपरेशन कन्विक्शन' गोष्ठी का आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने अपने कार्यालय में डेरापुर सर्किल के क्षेत्राधिकारी और समस्त थाना प्रभारियों के साथ एक विस्तृत अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य क्षेत्र की समग्र कानून व्यवस्था का आकलन करना और उसमें सुधार लाना था।बैठक के दौरान, पुलिस अधीक्षक ने सर्किल की अपराध स्थिति का गहनता से अध्ययन किया। उन्होंने विशेष रूप से डकैती, लूट, चोरी, महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसे गंभीर मामलों और साइबर अपराधों जैसे उभरते खतरों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। इन अपराधों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक कारगर रणनीति पर चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि सभी लंबित पड़े पुलिस मामलों और विवेचनाओं को शीघ्रता और प्रभावी ढंग से निस्तारित किया जाए। उन्होंने विवेचनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अभियुक्तों के विरुद्ध ठोस सबूत एकत्र करने पर विशेष बल दिया, ताकि अदालतों में दोषसिद्धि की दर में वृद्धि की जा सके। इस बैठक में क्षेत्राधिकारी डेरापुर राजीव सिरोही, प्रभारी निरीक्षक डेरापुर, प्रभारी निरीक्षक मंगलपुर, थानाध्यक्ष बरौर सहित सर्किल के सभी चौकी प्रभारियों और हल्का प्रभारियों की उपस्थिति रही।

इसी क्रम में, पुलिस अधीक्षक ने जनपद स्तरीय मॉनीटरिंग सेल प्रभारी और सभी कोर्ट पैरोकारों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी भी आयोजित की। इस गोष्ठी में ऑपरेशनइकन्विक्शन के अंतर्गत चिन्हित किए गए महत्वपूर्ण अभियोगों की अदालती पैरवी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। गोष्ठी में पैरोकारों के साथ चर्चा की गई और इस बात पर ज़ोर दिया गया कि चिह्नित मामलों की पैरवी पूरी मजबूती के साथ की जाए ताकि अधिक से अधिक मामलों में अपराधियों को सजा दिलाई जा सके। इन दोनों गोष्ठियों का मुख्य उद्देश्य जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रखना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बेटे की गोली मार कर हत्या, पिता हिरासत में

» आपसी विवाद बना खुनी वारदात की वजह, लाइसेंसी बंदूक से मारी गोली

» एएसपी ने किया मौका मुआयना, फोरेंसिक टीम ने जुटाए अहम साक्ष्य

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।डेरापुर थाना क्षेत्र के जिगनिश गांव में एक पिता ने अपने ही पुत्र की लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी।घटना के पीछे संपत्ति विवाद बताया जा रहा है।मृतक की पहचान दुर्गा प्रसाद के 24 वर्षीय पुत्र आयुष दीक्षित के रूप में हुई है। दुर्गा प्रसाद ने शुक्रवार सुबह किसी बात को लेकर वाद विवाद के पश्चात लाइसेंसी बंदूक से आयुष को गोली मार दी।जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा छा गया और इलाके में सनसनी फैल गई।

आयुष की मां आशा दीक्षित ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा लंबे समय से कानपुर में मानसिक इलाज करा रहा था। तहरीर के मुताबिक शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे दुर्गा प्रसाद ने पहले पत्नी और बेटे के साथ गाली गलौज और मारपीट की।जब आयुष ने बीचबचाव करने की कोशिश की तो आरोपी पिता ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से गोली चला दी।आयुष की मां ने बताया कि पति ने उन्हें भी जान से मारने की कोशिश की।परंतु उन्होंने अपने आपको कमरे में बंद कर बचा लिया।आशा ने रोते हुए बताया कि पति अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। संपत्ति के लालच में पिता ने मेरे बेटे को मार डाला। ग्रामीणों का कहना है कि घटना से पहले रात में आयुष का फोन पिता ने तोड़ दिया था।इसके बाद दस्तमपुर चौकी पुलिस समझाबुझा का मामला शांत करा गई थी।परंतु शुक्रवार सुबह पिता ने डायल 112 से पुलिस को बुलाया और जैसे ही पुलिस वहां से गई आरोपी ने बेटे की हत्या कर दी।घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय,प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार भारी पुलिस फोर्स के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने पूरे मामले की छानबीन की। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए।घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है।अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि मां की तहरीर पर आरोपी पिता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। हत्यारोपी पिता को हिरासत में लेकर पूंछताछ की जा रही है। आरोपी के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी।

सडक़ हादसे में घायल की 108 एंबुलेंस ने बचाई जान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के असालतगंज चौकी के अंतर्गत रसूलाबाद बिल्हौर मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास एक सडक़ हादसे में आधार सिंह पुत्र पूरन, निवासी गड़ेवा बहादुरपुर, रसूलाबाद, गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची। एंबुलेंस पर तैनात ईएमटी कुलदीप सिंह ने मौके पर ही घायल को फर्स्टएड देते हुए प्राथमिक उपचार किया, वहीं पायलट अर्जुन सिंह की तत्परता से मरीज को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। टीम की त्वरित कार्रवाई और सेवा भावना के चलते मरीज की जान बचाई जा सकी। 108 एंबुलेंस सेवा ने एक बार फिर अपनी संवेदनशीलता और तत्परता से जीवनरक्षक भूमिका निभाई।

बाल दिवस पर बच्चों से कटवाया केक, बाटे लंच बॉक्स

» प्राथमिक विद्यालय बिल्हापुर में मनाया गया बाल दिवस

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। अमरौधा ब्लॉक संसाधन केंद्र के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय बिल्हापुर में बाल दिवस पर पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। सभी विद्यालयों में 14 नवंबर बड़े हर्षोल्लास से मनाया अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया बाल दिवस पर चच्चों ने खूब मस्ती की।

सहायक अध्यापिका सबिया परवीन ने बाल दिवस के अवसर पर बच्चों से केक कटवाया तथा सभी को लंच बॉक्स नमकीन बिस्किट व टाफीया बाटी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए गए छोटे बच्चों ने अनेक मनमोहक प्रस्तुतिया दी सभी बच्चों को जवाहरलाल नेहरु से प्रेरणा लेकर देश के लिए उनका योगदान के बारे में बताया तथा विद्यालय के बच्चों की उज्ज्वल भविष्य की कामना की देश के निर्माण में बच्चों के महत्व को बताया तथा बाल अधिकारों के प्रति बच्चों को जागरूक किया। बच्चों को सही शिक्षा पोषण व संस्कारो को अपनाने की बात कही। उनके पद चिन्हों पर चलकर उनके जैसा बनने को कहा।

वाहन में टक्कर को लेकर मारपीट

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के चांदापुर गोपालपुर पुखरायां में आपसी रंजिश के कारण मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ितों ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है । चांदापुर गांव निवासी सादाब पुत्र जहुर ने बताया कि पड़ोसी इस्तखार व उसके लडक़े सादान अयान फैजान गाली गलौज कर रहे थे जब मना किया तो अयान व फैजान ने पत्नी नूरी तथा खुशनुमा आईना को मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए गोपालपुर निवासी रामबाबू ने बताया कि उसकी पुत्री गांव में मेला देखने गई थी मेला देखकर जैसे ही गांव वापस आ रही थी गांव के ही निवासी बृजभान हरभजन व किशन गाली गलौज कर मारपीट कर दी । रामबाबू ने मुकदमा दर्ज करवाया है।पुखरायां निवासी धीरेद्र गुप्ता ने बताया कि वह अपनी लडक़े प्रखर को लेकर पुखरायां बाजार जा रहा था तभी चार पहिया सवार वाहन चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया जिससे उसकी मोटरसाइकिल भिड गई। चार पहिया वाहन सवार लक्ष्य शुक्ला ने आते ही प्रखर गुप्ता के साथ मारपीट कर घायल कर दिया धीरेंद्र गुप्ता ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर घायलों को सरकारी अस्पताल पुखरायां भेजा गया है।

बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के सुभाष नगर में को लाइट का प्लग लगाते समय नवयुवक को करंट लग गया। आनन-फानन में परिजन उसे उपचार के लिए सीएचसी रसूलाबाद ले गए। जहां डॉक्टर बृजेश कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली क्षेत्र रसूलाबाद के सुभाष नगर निवासी शिवकुमार का 22 वर्षीय पुत्र अंकित को प्लग लगाते समय बिजली का करंट लग गया। वह अपने घर में प्लाईवुड का दरवाजा लगवा रहा था और मिस्त्री काम कर रहे थे। दरवाजे लगाते समय ड्रिल मशीन का तार बोर्ड में लगाने के लिए मिस्त्री ने कहा तो अंकित लगाने लगा। इसी दौरान उसे जोरदार करंट लगा और उसकी मौत हो गई। परिजन उसे उपचार के लिए सीएचसी रसूलाबाद ले गए जहां डॉक्टर बृजेश कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

सीताराम-विवाहोत्सव और प्रधानमंत्री आगमन

» अयोध्या की परंपरा, श्रद्धा और शिष्टाचार का महा-संघात

» स्वर्ण-शिखर पर ध्वजारोहण की ऐतिहासिक वेला में,

» विवाह पंचमी-जब अयोध्या स्वयं मंगल गान बन जाती है

रामबारात की प्राचीन धारा ठहरे या संवर जाए—अयोध्या उत्तर की प्रतीक्षा में

स्वामी राजकुमार दास जी महाराज
श्री राम बल्लभाकुंज मंदिर उत्तराधिकारी

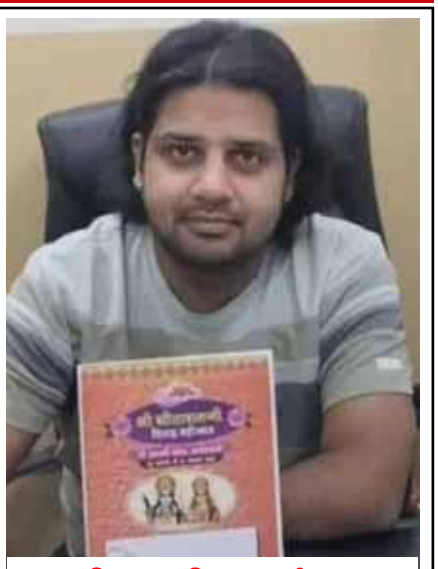

आदित्य सुल्तानिया जानकी महल

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सनातन काल से पावन अगहन शुक्ल पंचमी विवाह पंचमी—अयोध्या में उत्सव मात्र नहीं, बल्कि वह महापर्व है जब संपूर्ण नगरी स्वयं को जनकपुर और अयोध्या दोनों मानकर, राम सीता-विवाह की आनंद-धारा में बह उठती है। इसी पावन तिथि पर इस वर्ष वह ऐतिहासिक क्षण भी उतर रहा है, जिसका स्वप्न जन-जन ने युगों से संजोया रामजन्मभूमि के 161 फीट ऊँचे स्वर्ण-शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ध्वजारोहण। धर्म, परंपरा, कर्तव्य और राज्यशक्ति ये चारों इस बार विवाह पंचमी पर एक ही समय अयोध्या में अवतरित हो रहे हैं। ऐसे में संतसमाज से लेकर मंदिरट्रस्ट तक एक ही प्रश्न से व्यथित हैं—क्या रामसीता-विवाहोत्सव की प्राचीन धारा सुरक्षित बहेगी?

बता दे कि दशरथ महल, कनक भवन, रंगमहल, जानकी महल ट्रस्ट, रामहर्षण कुंज, रामसखी मंदिर नगरी के ये सभी मंदिर उस दिव्य परंपरा के वाहक हैं, जहाँ से धूमधाम से रामबारात निकलती है।इन बारातों में केवल भव्यता नहीं, बल्कि वह जीवंत लोक-आस्था बहती है, जो रामकथा के साथ पल्लवित हुई है। लाखों श्रद्धालु बारात से लेकर विवाह-गृह प्रवेश तक, हर चरण को अपने नेत्रों में बसाते हैं। अयोध्या केवल शहर नहीं रहती यह स्वयं आनंद कुंज बन जाती है।

प्रधानमंत्री आगमन- सुरक्षा प्रोटोकॉल और परंपराओं के बीच उभरती दुविधा

प्रधानमंत्री के आगमन की तिथि और विवाह पंचमी का योग—यह अद्भुत संयोग पहले तो शुभ प्रतीत हुआ, किंतु अब सुरक्षा संबंधी प्रोटोकॉल और आगमन-व्यवस्था ने विवाहोत्सव की तैयारियों पर बादल मंडरा दिए हैं।चंपत राय, महासचिव रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट स्पष्ट कहते हैं प्रधानमंत्री के लौटने के बाद बारात में कोई बाधा नहीं, किंतु रथ, बैंड पार्टी, डीजे, लाइट आदि की पूर्व तैयारी कठिन है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहित हजारों अतिथियों के आने से 24 घंटे पहले ही आवागमन प्रभावित होना स्वाभाविक है।यानी समस्या बारात निकलने की नहीं, बल्कि उसकी तैयारी की है।

हालाँकि रामवल्लभाकुंज में बारात निकालने की परंपरा नहीं, किंतु विवाहोत्सव की रस्में तिलकोत्सव, द्वारचार, सप्तपदी, पांव-पूजन—पूरे सौंदर्य के साथ मनती हैं। 56 भोग का राम-कलेवा, स्त्रियों का मंगल-गान, और वैदिक परंपरा का सुवास—यह सब अयोध्या की आध्यात्मिक गरिमा का केंद्र है।लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इन रस्मों की तैयारियाँ भी प्रधानमंत्री प्रोटोकॉल से प्रभावित होंगी?

राजकुमार दास, प्रमुख—रामवल्लभाकुंज सुझाव देते हैं

श्रद्धालुओं और आयोजकों के लिए एक पृथक मार्ग निर्धारित किया जाए, ताकि सुरक्षा और परंपरा दोनों सम्मानित हों।

जानकी महल की चिंता- 'उत्सव सुरक्षित रहे'

जानकी महल के ट्रस्टी आदित्य सुलतानिया की चिंता सीधी और सारगर्भित है प्रधानमंत्री का स्वागत हम सबकी मर्यादा है, परंतु हमारा उत्सव बाधित न हो। पांच रथ, चार बैंड पार्टियां, भांगड़ा दल, रामलीला मंडलियाँ, घोड़ेऊँट—ये जानकी महल तक पहुँचेंगे कैसे? वे प्रशासन से आग्रह करते हैं कि स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएँ—

हम जान सकें कि हमारे उत्सव को किस स्वरूप में आगे बढ़ाएँ।

अयोध्या का संत समाज, ट्रस्ट और स्थानीय निवासी सभी यह चाहते हैं कि राज-धर्म और लोक-धर्म में सामंजस्य स्थापित हो। अयोध्या आज भी वही है—जहाँ राजधर्म और लोकधर्म कभी टकराते नहीं, बल्कि एक-दूसरे को पूर्ण करते हैं।

इस बार भी आशा यही है कि व्यवस्था और परंपरा का समन्वय होगा, और अयोध्या विवाह पंचमी पर जय सियाराम के मंगल-गान में ही डूबी रहेगी।

गोल्डी मसाले को मिला सत्त्विक प्रमाणन

» गोल्डी सब्जी मसाले से शुद्धता और उपभोक्ता विश्वास को मिला नया आयाम

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। देश के प्रतिष्ठित ब्रांड गोल्डी मसाले ने शुद्धता और गुणवत्ता के नए मानक स्थापित करते हुए सत्त्विक प्रमाणन हासिल कर लिया है। सिंगापुर मुख्यालय वाली यह अंतरराष्ट्रीय संस्था विश्वभर में शाकाहारी एवं वीगन (पूर्णत: वनस्पति आधारित) खाद्य उत्पादों के लिए सबसे भरोसेमंद प्रमाणन मानी जाती है।

वर्ष 1980 में कानपुर में स्थापित गोल्डी समूह 45 वर्षों में एक वटवृक्ष की तरह फैलकर आज देश के कई राज्यों, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा और नगालैंड—में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। भारत से

बाहर भी गोल्डी के उत्पादों की मांग बढ़ती जा रही है और इसके मसाले आज ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, सिंगापुर, दुबई, मलेशिया, अफ्रीका सहित कई देशों में उपलब्ध हैं।

सत्त्विक प्रमाणन मिलने के साथ ही यह पुष्टि हुई है कि गोल्डी मसाले अपने उत्पादों में शुद्धता, नैतिकता और स्थायित्व (सस्टेनेबिलिटी) के सर्वोच्च मानकों का पालन करते हैं। यह वही प्रमाणन संस्था है जिसे हायात रीजेंसी, रैडिसन, आईटीसी, नोवोटेल, ताज होटल्स जैसी अंतरराष्ट्रीय अतिथिगृह श्रंखलाओं और आर्ट ऑफ लिविंग,

ईशा लाइफस्टाइल तथा महर्षि आयुर्वेद जैसी संस्थाओं द्वारा भी मान्यता प्राप्त है।

इस अवसर पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में सत्त्विक प्रमाणन के संस्थापक अभिषेक बिस्वास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गोल्डी समूह के निदेशक आकाश गोयंका, सुदीप गोयंका और शुभम गुप्ता भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख वितरकों के साथ उपभोक्ता विश्वास को और मजबूत करने तथा भविष्य की विपणन (मार्केटिंग) रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के वितरकों सहित कंपनी के कर्मचारियों और शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।गोल्डी समूह के निदेशक श्री सुदीप गोयंका ने कहा, यह प्रमाणन हमारे लिए गर्व का विषय है, जो हमारे उपभोक्ताओं के विश्वास और हमारी प्रतिबद्धता,शुद्धता के साथ स्वाद, दोनों को और मज़बूत करता है।

अयोध्या से भी जुड़ रहा दिल्ली ब्लास्ट के तार

सूत्रों के मुताबिक शाहीन शाहिद का नेटवर्क रामनगरी तक पहुँचा था

» संदिग्ध यात्रा और रामनगरी में हलचल

» परवेज की गिरफ्तारी से खुलने लगा नेटवर्क

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। देश की राजधानी दिल्ली में हुए ब्लास्ट की जांच अब पवित्र रामनगरी अयोध्या तक आ पहुंची है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, इस केस में संदिग्ध बताई जा रही डॉ. शाहीन शाहिद करीब दो महीने पहले लखनऊ आई थी और यहां जिन लोगों से वह मिली, उनमें से कुछ उसी के बाद अयोध्या के श्रीराम मंदिर क्षेत्र तक पहुंचे थे। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन लोगों ने अयोध्या में क्या गतिविधियां कीं, वे किससे मिले, कहां ठहरे और किनसे संपर्क साधा।

जांच के शुरुआती इनपुट के अनुसार, डॉ. शाहीन और उसके भाई डॉ. परवेज अंसारी का नेटवर्क आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद मॉड्यूल से जुड़ा पाया गया है। शाहीन, जो कभी मेडिकल जगत में एक सम्मानित डॉक्टर मानी जाती थीं, अब देश की सबसे संवेदनशील आतंकी जांचों में से एक का हिस्सा बन चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि शाहीन के लखनऊ प्रवास के दौरान जिन व्यक्तियों से वह मिली, उनमें से कुछ लोगों की अयोध्या यात्रा के ठोस सबूत मिले हैं।

एजेंसियां अब यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि वे लोग मंदिर परिसर के आस–पास किस उद्देश्य से गए थे।

खुफिया सूत्र मान रहे हैं कि यह यात्रा सिर्फ दर्शन या धार्मिक कारणों से नहीं थी। ब्लास्ट केस में शाहीन के साथ उसका भाई डॉ. परवेज अंसारी भी जांच के घेरे में है।

बताया जाता है कि उसने लखनऊ की इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से अचानक इस्तीफा दे दिया था—क्योंकि उसे शक हो गया था कि एजेंसियां उसके करीब पहुंच चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक परवेज नेपाल या किसी अन्य देश में भागने की फिराक में था, लेकिन फरीदाबाद में उसे दबोच लिया गया।

एजेंसियां पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में लगी हैं

जांच की दिशा अयोध्या की ओर

अब एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में लगी हैं। विशेष रूप से यह जांच की जा रही है कि शाहीन के संपर्क में आए लोगों ने अयोध्या में किन स्थानों का भ्रमण किया, किससे मुलाकात की और क्या राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को किसी तरह से टटोलने की कोशिश की गई। सूत्रों के अनुसार, एजेंसियों के पास अब कई सीसीटीवी फुटेज, फोन लोकेशन और यात्रा रिकॉर्ड हैं, जो शाहीन के नेटवर्क को अयोध्या से जोड़ते दिख रहे हैं। अगर यह सच साबित होता है, तो दिल्ली ब्लास्ट केस सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रहेगा उसकी परछाई अब अयोध्या की पवित्र सीमाओं तक पहुँच चुकी है।

फिलहाल परवेज से जम्मू–कश्मीर पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां फरीदाबाद में पूछताछ कर रही हैं।

उसके लैपटॉप, मोबाइल और टैबलेट से कई एन्क्रिप्टेड चैट, विदेशी नंबर और संदिग्ध बैंक ट्रांजेक्शन बरामद हुए हैं। एटीएस को शक है कि वह जैश के फरीदाबाद

मॉड्यूल के संपर्क में था और अपनी बहन शाहीन के साथ मिलकर लॉजिस्टिक सपोर्ट और मेडिकल कवर मुहैया करा रहा था।

कभी मेडिकल कॉलेजों में सम्मानित पहचान रखने वाली डॉ. शाहीन शाहिद ने प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस और फार्माकोलॉजी में एमडी की डिग्री हासिल की थी। 2006 में यूपी लोक सेवा आयोग से चयनित होकर वह कानपुर मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बनीं।

लेकिन 2015 में तलाक के बाद उनकी जिंदगी अचानक बदल गई। फरीदाबाद की अल–फलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे डॉ. मुजम्मिल शकील से उनकी नजदीकियां बढ़ीं और यहीं से वह एक कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आईं।

धीरे–धीरे यही नेटवर्क उन्हें महिला कमांडर जैसी भूमिका तक ले गया।

रामध्वज की दिव्य वेला में अर्थव्यवस्था का नवोदय

» राम मंदिर से अयोध्या की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी उछाल

» स्वर्ण–शिखर पर भगवा ध्वज फहरने से पहले ही

» अयोध्या विकास, पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक उद्भव के स्वर्णयुग में कर चुकी है प्रवेश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।जिस भूमि पर भगवान श्रीराम ने धर्म, मर्यादा और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया, वही पावन अयोध्या आज पुनः अपने प्राचीन वैभव के समान नवसृजन के चरम पर खड़ी है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के 161 फीट ऊँचे स्वर्ण-शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि अयोध्या की आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण का दिव्य घोष भी है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दृढ़ संकल्पित नेतृत्व-शैली ने अयोध्या को नव-भव्यता, नव-दिव्यता और नव-विकास का नया आयाम प्रदान किया है।

राम मंदिर के लोकार्पण के बाद अयोध्या ने पर्यटन, व्यापार और रोजगार में ऐतिहासिक उछाल दर्ज किया है। देश और विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं ने अयोध्या को वैश्विक धार्मिक पर्यटन का केंद्र बना दिया है। 2024 में 16.44 करोड़ तीर्थयात्री सिर्फ जनवरी–जून 2025 में 23.82 करोड़ से अधिक दर्शनार्थीयह आँकड़ा बताता है कि रामलला के दर्शन अब भारत के सांस्कृतिक नवजागरण का प्रतीक बन चुके हैं। पर्यटन में 40–50त्र वृद्धि ने अयोध्या ही नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा दी है।

दीपोत्सव– जब उजियारा अर्थव्यवस्था को भी रोशन कर देता है

मुख्यमंत्री योगी की अवधारणा से शुरू हुआ अयोध्या दीपोत्सव अब विश्वस्तरीय उत्सव बन चुका है।90त्र होटल दीपोत्सव के दिनों में फुल,स्थानीय व्यापारियों को ही 5 करोड़ रुपये से अधिक की आय

कुम्हारों, नाविकों, फूल–फेरीवालों, मूर्तिकारों व दुकानदारों को कई गुना लाभ। दीपोत्सव ने अयोध्या में धार्मिक–सांस्कृतिक पर्यटन को नई पहचान दी है, और इसी कड़ी में 25 नवंबर के ध्वजारोहण समारोह से भी बड़ी आर्थिक हलचल की उम्मीद है।अयोध्या के स्थानीय बनावटी उत्पाद—मूर्तियाँ, हैंडबैग, राम–थीम्ड कपड़े, हस्तशिल्प और स्मृति–उपहार—अब देश–विदेश में पहचान पा रहे हैं। टूरिस्टों द्वारा भारी खरीदारी से लघु उद्योगों की आय में अभूतपूर्व उछाल आया है।पहले 200–300 रुपये रोज कमाने वाले कारीगर अब 1000–1500 रुपये प्रतिदिन तक पहुँच चुके हैं। विशेष आयोजनों में यह आय कई गुना बढ़ जाती है।महाकुंभ जैसे आयोजनों के दौरान लाखों तीर्थयात्री अयोध्या पहुँचते हैं। ऐसे में—ऑटो ई–रिक्शा बस सर्विस टूरिस्ट कोच इन सबकी मांग कई गुना बढ़ जाती है। ट्रांसपोर्ट से जुड़े युवाओं और उद्यमियों की आय में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है।

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अयोध्या का बढ़ता योगदान–

राम मंदिर के बाद अयोध्या मंदिर–पर्यटन का वैश्विक केंद्र बन चुका है। इसका सीधा प्रभाव उत्तर प्रदेश की जीडीपी और रोजगार अवसरों पर पड़ा है। तीर्थ आधारित उद्योगों का योगदान1.25 लाख करोड़ से अधिक,पर्यटन संख्या में तीन गुना उछाल (2023–2024)धार्मिक पर्यटन से जुड़े 50 से अधिक सेक्टरों में रोजगार वृद्धि हुई है।एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत अयोध्या का हथकरघा लकड़ी की कारीगरी गन्ने से बनने वाला गुड़, गजक, चिक्की, लड्डूपारंपरिक मिठाइयाँ अब विदेशों में भी लोकप्रिय हो रहे हैं।, जिससे हजारों किसानों की आय बढ़ी है। पर्यटक इन उत्पादों को भारी मात्रा में खरीदते हैं, जिससे अयोध्या का लोकल टू ग्लोबल सपना साकार हो रहा है। अयोध्या केवल आस्था नहीं—अब अर्थशक्ति भी है राम मंदिर के भव्य निर्माण ने जिस सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया, उसी चेतना ने अयोध्या को अर्थव्यवस्था के नए शिखर पर पहुँचा दिया है। 25 नवंबर का ध्वजारोहण केवल धार्मिक गौरव नहीं—यह अयोध्या के आर्थिक स्वर्णयुग के उद्घोष का दिन भी होगा। अयोध्या आज नव–दिव्यता, नव–भव्यता और नव–विकास की राजधानी बनकर संपूर्ण भारत को गौरवान्वित कर रही है।

अयोध्या जिला चिकित्सालय में अनाधिकृत प्रवेश पर सख्ती

» सुरक्षा एजेंसियों को मिला रोज़ाना निरीक्षण का आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

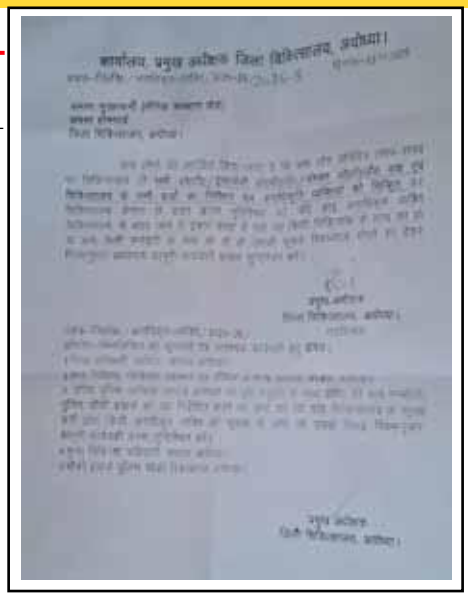

अयोध्या। जिला चिकित्सालय प्रशासन ने अस्पताल परिसर को सुरक्षित और अराजक तत्वों से मुक्त रखने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। पत्रांक–जि0वि0/अनाधिकृत व्यक्ति/2025–26/2085–5 के तहत जारी आदेश में सभी सुरक्षाकर्मियों, सैनिक कल्याण बोर्ड के कर्मचारियों और होमगार्डों को प्रतिदिन पूरे अस्पताल क्षेत्र का गहन निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश के अनुसार, ओटी, इमरजेंसी ओपीडी, सामान्य ओपीडी कक्षों से लेकर सभी वार्डों तक नियमित चेकिंग सुनिश्चित की जाएगी। निरीक्षण के दौरान किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति की पहचान कर तत्काल अस्पताल परिसर से बाहर किया जाएगा।

यदि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति—भले ही वह किसी डॉक्टर या अन्य स्टाफ के साथ आया हो—चिकित्सालय से बाहर जाने से इंकार करता है, तो उसकी सूचना तत्काल रिकाबगंज चौकी को दी जाएगी, ताकि नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा सके।जिला चिकित्सालय अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि अस्पताल परिसर की सुरक्षा और व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों को हर हाल में आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह आदेश अस्पताल में बढ़ते अनाधिकृत आवाजाही और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिहार चुनाव: एनडीए की बंपर जीत व विपक्ष की हार पर बोले गृह मंत्री

राहुल गांधी के नेतृत्व में आखिरी पायदान पर पहुंची कांग्रेस: शाह

पीएम मोदी सहित नीतीश कुमार और सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के रुझानों में एनडीए दोहरा शतक लगाता दिख रहा है। बिहार चुनाव के नतीजों पर केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है। इसीलिए राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस आज बिहार में आखिरी पायदान पर आ गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकसित बिहार में विश्वास रखने वाले हर बिहारवासी की जीत है। उन्होंने कहा कि जंगलराज और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले किसी भी भेष में आएं, उन्हें लूटने का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि जनता अब सिर्फ और सिर्फ प्रदर्शन की राजनीति के आधार पर जनादेश देती है।

अमित शाह ने बिहार चुनाव नतीजों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार और एनडीए के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अपने अथक परिश्रम से इस परिणाम को चरितार्थ करने वाले बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के बिहार भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता हूं।

भाजपा नेता शाह ने कहा,मैं बिहार की जनता और विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि जिस आशा और विश्वास के साथ आपने हृष्ठ को यह जनादेश दिया है, पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार उससे अधिक समर्पण से उसे पूरा करेगी।

उन्होंने कहा, बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है।

पीएम मोदी ने जहां-जहां की रैलियां, वहां एनडीए को जबरदस्त बढ़त

बिहार विधानसभा सीटों पर आ रहे रुझानों में एनडीए को जबरदस्त बढ़त मिल रही है, जबकि महागठबंधन को बड़ा झटका लग रहा है। शुक्रवार दोपहर 3.00 बजे तक भाजपा 208 और महागठबंधन 28 सीटों पर आगे है। खास बात यह है कि बिहार चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू साफ-साफ देखने को मिला है। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार चुनाव के दौरान जहां-जहां रैलियां की, वहां पर भाजपा और एनडीए गठबंधन को फायदा मिला। पीएम मोदी ने बिहार में 14 रैलियां और रोड शो किए। इसका असर अब रुझानों में झलक रहा है।

बिहार में डबल सेंचुरी

रुझानों में एनडीए ने 208 सीटों पर बढ़त बना रखी है। वहीं, महागठबंधन सिर्फ 28 सीटों पर आगे है। हॉट सीटों की बात करें तो तारापुर से बीजेपी उम्मीदवार सम्राट चौधरी 11,272 वोट से आगे चल रहे हैं और आरजेडी प्रत्याशी अरुण कुमार पिछड़ते नजर आ रहे हैं। लखीसराय से डिप्टी सीएम विजय सिन्हा आगे चल रहे हैं। बीजेपी उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने 13,350 वोट की लीड बना रखी है। रामनगर से बीजेपी उम्मीदवार नंद किशोर राम 9,593 वोट से आगे हैं। दरभंगा में बीजेपी प्रत्याशी संजय सरावनी 27,050 वोट से आगे चल रहे हैं।

ट्रेडिंग से बाहर हुए खेसारी लाल यादव

छपरा विधानसभा सीट के नीतजे को लिए वोटों की गिनती जारी है। इस सीट पर वोटों की गिनती 28 राउंड में होगी। अभी तक 10 राउंड की गिनती हो चुकी है। 10वें राउंड की गिनती के बाद भी राजद प्रत्याशी खेसारी लाल यादव बीजेपी उम्मीदवार छोटी कुमारी से पीछे चल रहे है। छोटी कुमारी को 1691 वोटों से आगे चल रही हैं।

मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न, 20 प्रस्तावों पर लगी मुहर, दिल्ली विस्फोट की हुई निंदा

बुजुर्गों को घर बैठे वृद्धावस्था पेंशन देगी योगी सरकार

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद ने दिल्ली बम विस्फोट की निंदा करते हुए आज शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित किया और इस हमले को कायराना कृत्य करार दिया। इसके साथ ही 20 प्रस्तावों को मंजूरी दी जिनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को उनकी हालिया उपलब्धियों के लिए बधाई देने वाला प्रस्ताव भी शामिल है। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों की जानकारी पत्रकारों को दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्वकप में मिली ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी गई। बैठक में टीम के जज़्बे, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा गया कि खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह जीत न केवल भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है बल्कि देश की युवा बेटियों के लिए प्रेरणा का भी स्रोत है।

एक बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने राज्य में वृद्धावस्था पेंशन को लेकर एक बड़ा निर्णय लिया है। अब पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि फैमिली आईडी 'एक परिवार-एक पहचान' प्रणाली से पात्र लाभार्थियों का स्वतः चिन्हीकरण होगा और उनकी सहमति मिलने पर पेंशन सीधे स्वीकृत की जाएगी। वर्तमान में 67.50 लाख वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ ले रहे हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो प्रक्रिया पूरी न कर पाने के कारण पेंशन से बाहर रह जाते हैं।

उन्होंने बताया कि सहमति मिलने के बाद योजना अधिकारी 15 दिनों के भीतर डिजिटल सिग्नेचर के माध्यम से पेंशन स्वीकृत करेंगे और स्वीकृति पत्र लाभार्थी को डाक से भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि भुगतान सीधे आधार-लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा और हर किस्त की जानकारी एसएमएस द्वारा उपलब्ध होगी।

कैबिनेट ने 10 वर्ष तक की अवधि के किरायानामा विलेखों पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट मंजूर कर दी है। इसका उद्देश्य यह है कि भवन स्वामी और किरायेदार दोनों किरायानामा लिखित रूप में तैयार करें और रजिस्ट्री कराएं, जिससे विवाद कम हों और किरायेदारी विनियमन अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि वर्तमान नियमों के अनुसार एक वर्ष से अधिक अवधि की किरायेदारी विलेख की रजिस्ट्री अनिवार्य है, लेकिन आमतौर पर अधिकांश किरायानामे मौखिक होते हैं या यदि लिखित होते भी हैं तो उनकी रजिस्ट्री नहीं कराई जाती।

श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि संशोधन के तहत यह अधिनियम अब उन प्रतिष्ठानों पर लागू होगा जिनमें 20 या उससे अधिक कर्मकार कार्यरत हैं। इससे छोटे प्रतिष्ठान बिना अतिरिक्त बोझ के अपनी आर्थिक गतिविधि को सुचारू रख सकेंगे, जबकि बड़े प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को अधिनियम के तहत मिलने वाले सभी लाभ मिलेंगे। सरकार का मानना है कि इससे प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियां और तेज होंगी।

कैबिनेट ने लेखपाल सेवा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए चैनमैन के लिए लेखपाल पद पर पदोन्नति का मार्ग खोल दिया है। खन्ना ने बताया कि पंचम संशोधन नियमावली 2025 के तहत अब लेखपाल के कुल पदों में से दो प्रतिशत पद योग्य चैनमैन को पदोन्नति के आधार पर दिए जा सकेंगे। यह पहली बार है जब चैनमैन को सीधी भर्ती व्यवस्था से बाहर निकलकर लेखपाल पद तक प्रमोशन का अवसर मिलेगा।